

इंटरनेट तथा ई-मेल

इंटरनेट क्या है?

इंटरनेट कंप्यूटरों का एक **विश्वव्यापी नेटवर्क** है। इंटरनेट में बहुत-से स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क होते हैं। यह कंप्यूटरों का ऐसा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है, जो लाखों उद्यमों, सरकारी एजेंसियों, शैक्षिक संस्थानों और व्यक्तियों आदि को परस्पर जोड़ता है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि इंटरनेट ने हमारे जीवन जीने के तरीके में एक क्रांति पैदा कर दी है। इसने संचार, व्यवसाय और सूचना प्राप्त करने के साथ-साथ हमारे मनोरंजन के तरीकों को भी बदलकर रख दिया है।

नेटवर्क क्या है?

नेटवर्क ऐसे कंप्यूटरों का एक समूह है जो विभिन्न उपकरणों के माध्यम से परस्पर जुड़े हुए हैं ताकि वे एक-दूसरे से संचार कर सकें।

नेटवर्क को कई प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है। नेटवर्क को वर्गीकृत करने का एक तरीका उस क्षेत्र पर आधारित है, जिसे वे कवर करते हैं।

लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) किसी कार्यालय, भवन अथवा परिसर में एक नेटवर्क है।

मैट्रोपोलिटन एरिया नेटवर्क (MAN) किसी नगर के भीतर एक नेटवर्क है।

वाइड एरिया नेटवर्क (WAN) एक ऐसा नेटवर्क है जो किसी संपूर्ण देश अथवा महाद्वीपों के पार फैला होता है। इसी नेटवर्क को इंटरनेट भी कहा जाता है। हम इसे कंप्यूटरों का वैश्विक नेटवर्क भी कह सकते हैं। इसे एक बड़ा नेटवर्क बनाने के लिए अनेक छोटे नेटवर्क्स को जोड़कर बनाया जाता है। इंटरनेट का इतिहास काफी दिलचस्प है। थोड़े-से उपयोगकर्ताओं से प्रारंभ करके आज पूरे विश्व में इसके करोड़ों उपयोगकर्ता हैं। जब आप नेट पर होते हैं तो आप इस व्यापक समूह का एक हिस्सा बन जाते हैं।

लाखों-करोड़ों कंप्यूटरों को परस्पर जोड़ने के लिए विशेष केबल्स, टेलीफोन लाइनें, उपग्रह, माइक्रोवेव्स और अन्य उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। इंटरनेट में कुछ शक्तिशाली कंप्यूटर होते हैं, जिन्हें **सर्वर** कहा जाता है जो करोड़ों कंप्यूटरों द्वारा दी गई कमांड्स को संसाधित करते हैं।

इंटरनेट शब्दावली

World Wide Web

World Wide Web से आशय उन असंख्य इलैक्ट्रॉनिक दस्तावेजों से है, जो मकड़ी के एक जाल की तरह

परस्पर जुड़े होते हैं। इन दस्तावेजों को वेब पृष्ठ कहा जाता है। यह **www** ही है, जो इंटरनेट को उपयोगकर्ता सापेक्ष और बहुकार्यात्मक बनाता है। इसी के द्वारा आप इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटरों में दर्ज सूचनाओं तक पहुँच पाते हैं।

वेब पेज

वेब पेज वर्ल्ड वाइड वेब पर एक इलैक्ट्रॉनिक दस्तावेज है। वेब पेज को एक कंप्यूटर भाषा, जिसे **Hyper Text Markup Language (HTML)** कहा जाता है, में लिखा जाता है। वेब पृष्ठों में टेक्स्ट, ग्राफिक्स, एनीमेशन, ध्वनि और वीडियो हो सकते हैं। वेब पृष्ठ संबद्ध शब्दों द्वारा परस्पर जुड़े होते हैं, जिन्हें **Hyperlinks** कहा जाता है। जब हम इन शब्दों पर क्लिक करते हैं तो हम अन्य वेब पृष्ठ, चित्र, गीत अथवा मूवी से लिंक हो जाते हैं।

वेब साइट

किसी निश्चित विषय द्वारा परस्पर जुड़े वेब पृष्ठों के संग्रह को वेब साइट कहा जाता है। वेब साइट का सृजन किसी विशेष विषय, व्यक्ति, उत्पाद अथवा संगठन की जानकारी देने के लिए किसी संगठन अथवा व्यक्ति द्वारा किया जाता है। नेट पर एक वेब साइट से दूसरी वेब साइट पर जाने की प्रक्रिया ही नेट सर्फिंग अथवा ब्राउज़िंग कहलाती है। वेब साइट्स को पूरी दुनिया में स्थित वेब सर्वर्स पर स्टोर किया जाता है। उदाहरणार्थ, **yahoo.com, rajbhasha.nic.in, indiatimes.com** विभिन्न वेब साइट्स हैं, जिनपर भिन्न प्रकार की सामग्री पाई जाती है।

The screenshot shows the homepage of the Department of Official Language. The browser address bar displays www.rajbhasha.gov.in. The page features a blue header with the department's name in Hindi and English, along with a search bar. Below the header, there are navigation links: 'हमारे बारे में' (About Us), 'ई-उपकरण' (E-Tools), 'अध्ययन सामग्री' (Study Material), and 'संपर्क करें' (Contact Us). The main content area is divided into three columns:

- Left Column:** 'राजभाषा नीति का क्रमिक विकास' (Evolution of Official Language Policy), listing 'Constitutional Provisions', 'राष्ट्रपति का आदेश-1960' (President's Order - 1960), 'राजभाषा अधिनियम 1963' (The Official Languages Act 1963), and 'राजभाषा संकल्प 1968' (The Official Language Resolution 1968).
- Middle Column:** 'महत्वपूर्ण सूचनाएं' (Important Information), listing 'क्षेत्र/राज्यवार नदकाले का विवरण' (Zone/State Wise Details of TOLICs), 'आदेश/पत्र/संचार' (Orders/Communications/Circulars), 'नागरिक चार्टर' (Citizens/Clients Charter), and 'सूचना अधिनियम अधिनियम 2005 संबंधी सूचनाएं'.
- Right Column:** 'अधीनस्थ कार्यालय' (Subordinate Offices), listing 'केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान' (Central Hindi Training Institute (CHTI)), 'केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो' (Central Translation Bureau (CTB)), 'क्षेत्रीय कार्यालय' (Regional Implementation Offices (RIOs)), and 'संसदीय राजभाषा समिति' (Committee of Parliament on Official Language).

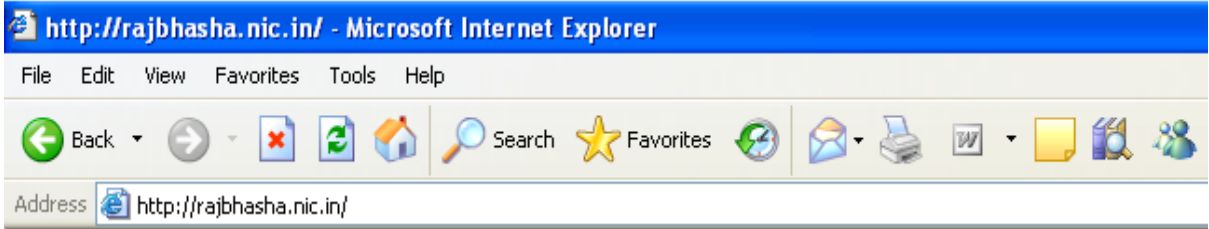
A central banner features a portrait of Mahatma Gandhi and text in Hindi: 'मैं हिंदी के जरिए भारतीय भाषाओं को दबाना चाहता किन्तु उनके साथ हिंदी को भी मिला पाइया है।' (I wanted to suppress Indian languages through Hindi, but I realized that Hindi should also be included with them.)

Home Page

यह वेब साइट का प्रथम पृष्ठ होता है। होम पेज वेब साइट के अन्य वेब पृष्ठों से संबद्ध होता है।

URL

प्रत्येक वेब साइट का एक पता होता है जिसे URL अर्थात् Uniform Resource Locator के नाम से जाना जाता है जैसे <http://www.microsoft.com>, <http://www.rajbhasha.nic.in> । URL उस वेब सर्वर को संदर्भित करता है, जिसपर वेब साइट को स्टोर किया गया है।



वेब ब्राउज़र

इंटरनेट का प्रयोग करने के लिए एक सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है, जिसे वेब ब्राउज़र कहा जाता है। वेब ब्राउज़र से आप वर्ल्ड वाइड वेब पर मौजूद वेब पृष्ठों को पढ़ सकते हैं। जब आप किसी वेब ब्राउज़र का प्रयोग करके वर्ल्ड वाइड वेब पर वेब पृष्ठों को पढ़ते हैं तो इस प्रक्रिया को ब्राउज़िंग कहा जाता है।

Windows का डिफॉल्ट वेब ब्राउज़र **Internet Explorer** है। **Netscape Navigator, Mozilla Firefox, Google Chrome** अन्य लोकप्रिय ब्राउज़र्स हैं।

इंटरनेट सेवा प्रदाता

कोई भी ब्राउज़र तब तक वेब पृष्ठों को नहीं दिखा सकता जब तक कि कंप्यूटर को किसी इंटरनेट सेवा प्रदाता (**Internet Service Provider**) की सेवाएं उपलब्ध न हों। भारत में इस समय सरकारी और निजी क्षेत्र की अनेक कंपनियां इंटरनेट सेवा प्रदान कर रही हैं। इनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ दो श्रेणियों में हैं— पी.एस.टी.एन. तथा आई.एस.डी.एन.। पी.एस.टी.एन. सेवा के अंतर्गत आपके कंप्यूटर को मॉडेम और टेलीफोन लाइन के जरिए इंटरनेट से जोड़ा जाता है, जबकि दूसरी सेवा में एक विशेष केबल द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। आजकल टेलीफोन लाइन के जरिए सीधे ब्रॉडबैंड सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है जिसपर किसी टेलीफोन नंबर को डायल करने की आवश्यकता नहीं होती।

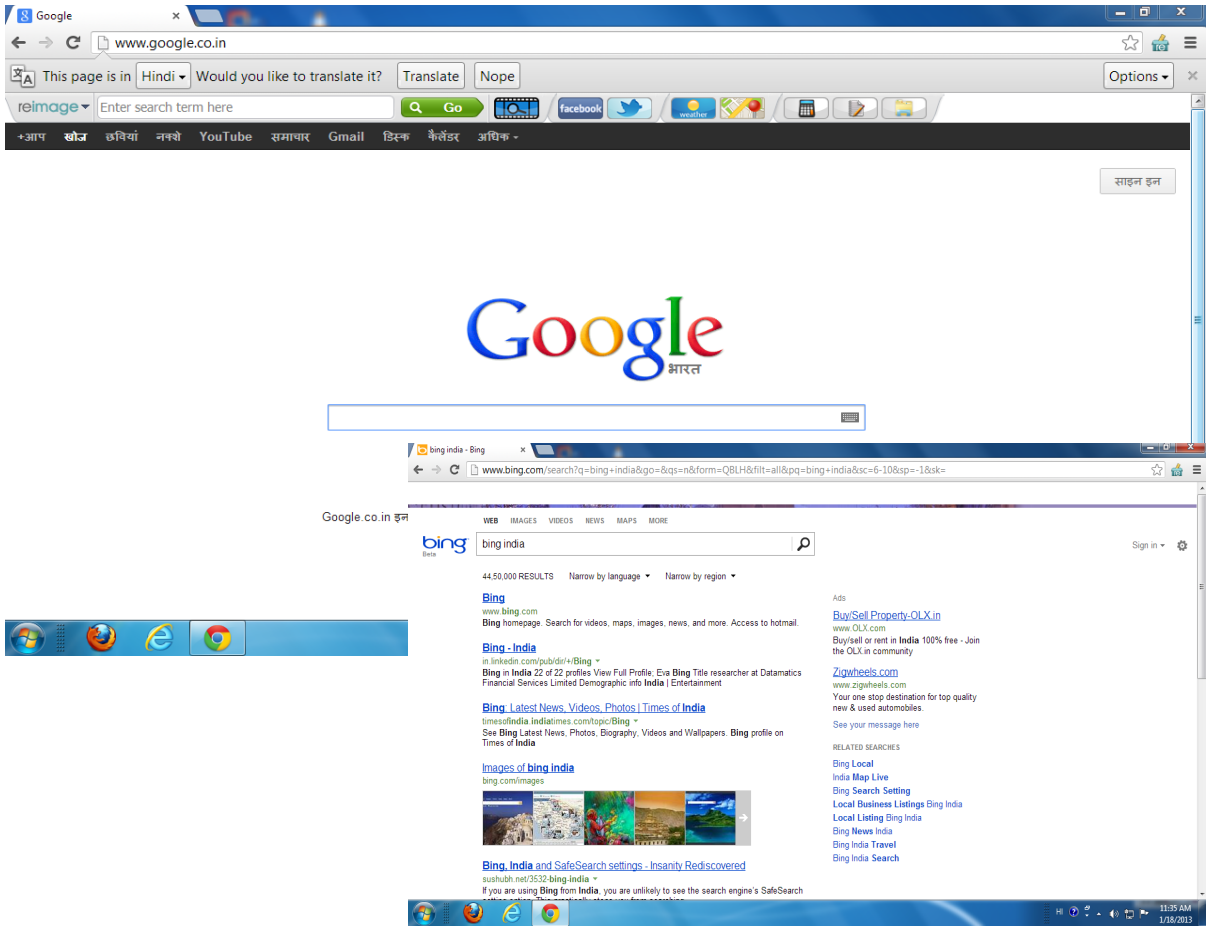
सर्च इंजिन

सर्च इंजिन एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जो उपयोगकर्ता द्वारा प्रविष्ट किए गए कीवर्ड्स का प्रयोग करके इंटरनेट पर सूचना खोजने में सहायता करता है। सर्च इंजिन का महत्व तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब हमें किसी वेब साइट का वेब पता मालूम नहीं होता है।

ऐसी वेब साइट्स अथवा वेब पृष्ठों की खोज को सर्च इंजिन आसान और सुगम बना देता है।

कुछ प्रमुख सर्च इंजिन हैं :

- www.google.co.in
- www.bing.com
- www.altavista.com
- www.yahoo.com
- www.msn.com
- www.rediff.com
- www.guruji.com



कुछ सर्च इंजिन केवल विशेष विषयों तक ही सीमित होते हैं, जैसे- www.naukari.com जो नौकरी खोजने के लिए एक लोकप्रिय सर्च इंजिन है।

डाउनलोडिंग

आप भावी संदर्भ के लिए वेब से किसी पृष्ठ को अपने कंप्यूटर पर सहेज सकते हैं। इस प्रक्रिया को डाउनलोडिंग कहते हैं।

The screenshot shows the TDIL website interface. The main banner reads "टी डी आई एल TDIL भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास Technology Development for Indian Languages". Below the banner, there are navigation links: मुख्यपृष्ठ | भाषाविकल्प | डाउनलोड | सामान्यप्रश्न | Help Manual | संपर्क: करीबनवाटॉलस@जीनर | प्रतिपुष्टि | Site Map. A green banner announces "Tamil Software Tools and Fonts CD 2010 will be available for download from 24th J...". The main content area features a section titled "जन जन को एक सूत्र में पिरोती भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी" (Indian Language Technology weaves people into one thread). It includes a paragraph about the availability of the CD and a table listing the contents:

फ्रॉन्ट	कोड परिवर्तक	वर्तनी संशोधक	ओपन ऑफिस
मैसेंजर	ई-मेल क्लायंट	ओ सी आर	शब्दकोश
ब्राउज़र	ट्रांसलिटरेशन	कॉर्पस	शब्द-संसाधक

There is also a "News and Events" section with a "TAMIL" CD image and a "लॉगइन" (Login) form.

अपलोडिंग

जब आप अपने किसी पृष्ठ को अपने कंप्यूटर से वर्ल्ड वाइड वेब पर भेजते हैं तो आप किसी फाइल की अपलोडिंग कर रहे होते हैं। अपलोड की गई फाइल को किसी वेब सर्वर पर स्टोर किया जाता है। फाइलों को अपलोड करने के लिए हमें विशेष प्रकार के सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है।

इंटरनेट के उपयोग

इंटरनेट के उपयोग की कोई निश्चित सीमा नहीं है। प्रतिदिन इसके नए-नए उपयोग हमारे सामने आ रहे हैं। इंटरनेट के माध्यम से सूचनाएँ, समाचार और अनुसंधान सामग्री प्राप्त और प्रेषित की जा सकती है। इसपर बैंकिंग, निवेश संबंधी कार्य, वस्तुओं की खरीदारी तथा विभिन्न कंपनियों और प्रोफेशनल व्यक्तियों की सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन एजुकेशन के द्वारा इस पर शैक्षिक गतिविधियाँ भी खूब चल रही हैं। मनोरंजन जैसे ऑनलाइन खेल, पत्रिकाएँ पढ़ने, फिल्में देखने और संगीत सुनने के लिए भी इंटरनेट का जवाब नहीं। इसके माध्यम से आप फोटोग्राफ, ध्वनि तथा चलचित्रों का संप्रेषण भी कर सकते हैं। इन सभी गतिविधियों को चलाने के लिए इंटरनेट अपने उपयोगकर्ताओं को अनेक सेवाएँ प्रदान करता है।

यहाँ ऐसी ही कुछ प्रमुख सेवाओं के बारे में चर्चा की गई है।

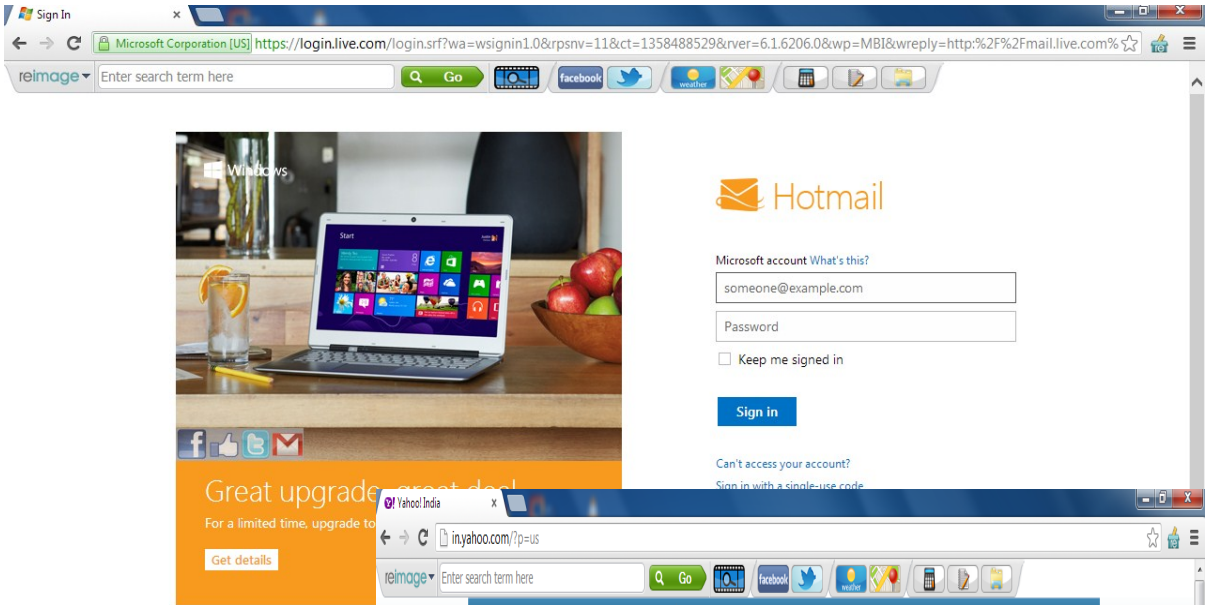
1. सूचना की खोज

इंटरनेट लगभग सभी प्रकार के विषयों पर सूचनाओं का भंडारगृह है। वर्ल्ड वाइड वेब का प्रयोग करके आप पठित सामग्री, ग्राफिक्स, चित्र, संगीत, वीडियो और यहाँ तक कि मूवीज़ भी प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी अपने अध्ययन से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। किसान मंडी के ताज़ा भाव जान सकते हैं। शेयर बाज़ार के पल-पल की जानकारी भी इंटरनेट से ली जा सकती है। इंटरनेट पर नौकरी से लेकर दूल्हा-दुल्हन तक खोजे जा सकते हैं।

The screenshot shows the Hindi Wikipedia homepage. At the top, there's a search bar with the text "Enter search term here" and a "Go" button. Below the search bar, there are social media icons for Facebook, Twitter, and YouTube. The main content area features the Hindi Wikipedia logo and the text "हिन्दी विकिपीडिया एक मुक्त ज्ञानकोष" (Hindi Wikipedia, a free encyclopedia). Below this, there's a section titled "मुखपृष्ठ" (Main Page) with a description of the project and a list of navigation links. The bottom of the page shows a navigation bar with links for "निर्वाचित लेख" (Selected Article) and "समाचार" (News).

2. संचार

दुनिया भर के लोग एक-दूसरे से संचार करने के लिए इंटरनेट का सहारा लेते हैं। इंटरनेट पर संचार करने का सबसे लोकप्रिय तरीका है— ई-मेल। इलैक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में मेल भेजना संचार का एक तीव्र, सस्ता और विश्वसनीय तरीका है। अनेक वेबसाइट्स ई-मेल भेजने की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराती हैं : **hotmail.com, yahoo.com, rediffmail.com, Gmail.com** आदि। इन साइट्स पर अपना एकाउंट बनाकर आप विश्व के किसी भी कोने में किसी भी व्यक्ति को ई-मेल भेज सकते हैं।

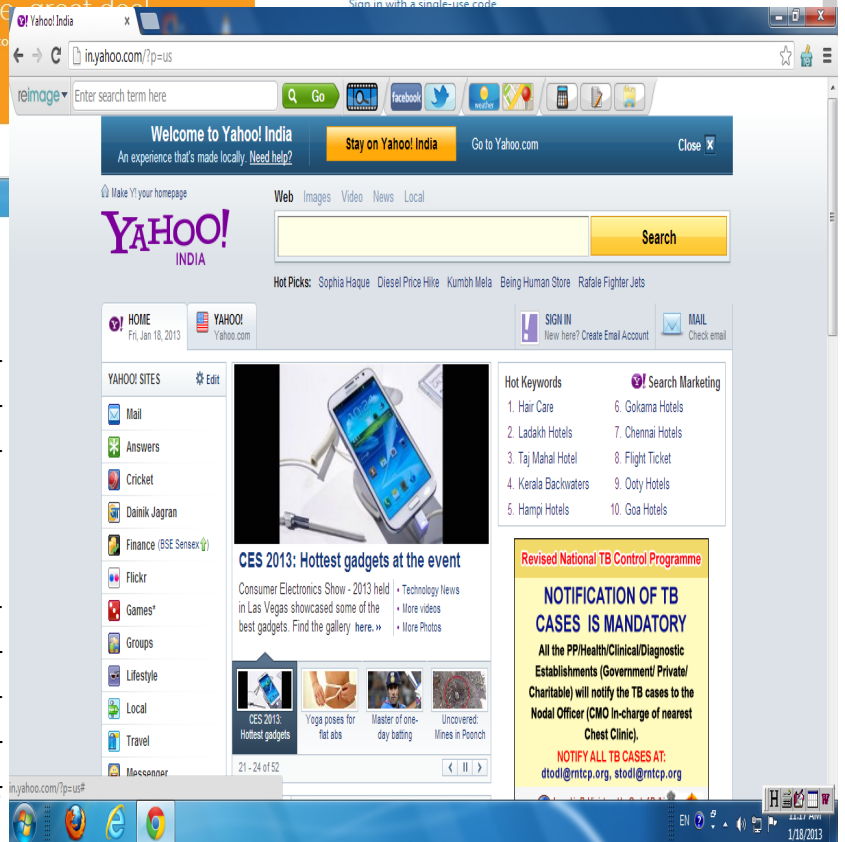


3. चैटिंग ऑनलाइन

इंटरनेट पर परस्पर तत्काल संदेश भेजने के लिए लोग चैट रूम्स का प्रयोग करते हैं।

4. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

इसके अंतर्गत विश्व भर में लोगों के समूह एक ही समय में एक साथ इस तरह बातें कर सकते हैं, एक-दूसरे को देख और सुन सकते हैं जैसे वे किसी एक ही कमरे में हों।

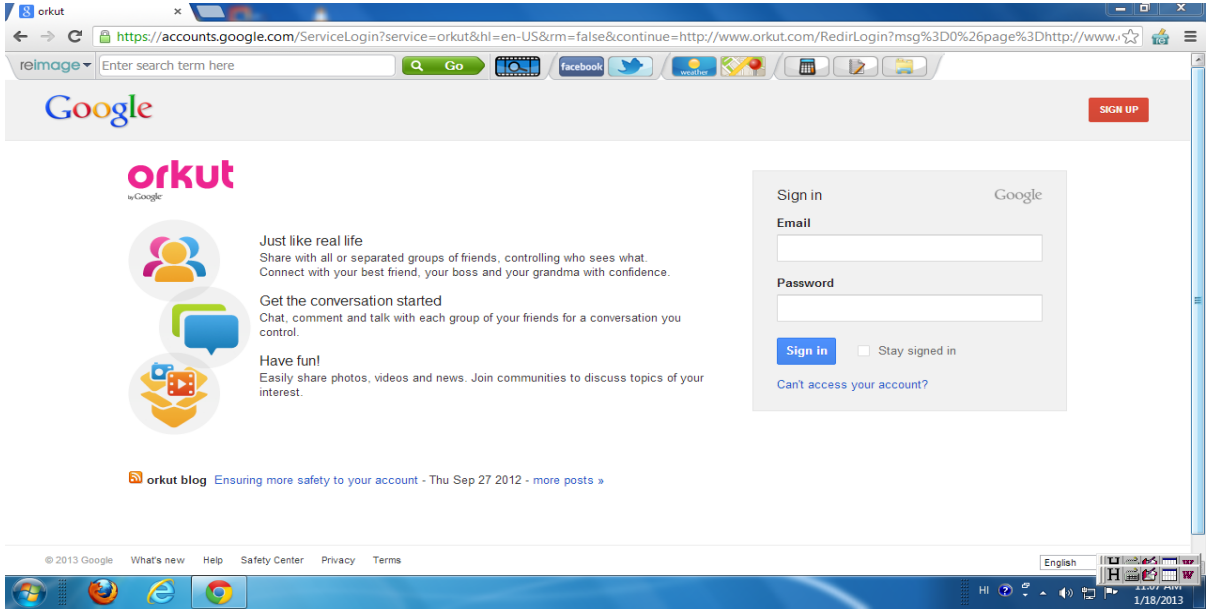


5. ब्लॉगिंग

ब्लॉग्स ऑनलाइन पत्रिकाएँ हैं, जिनका रखरखाव उन लोगों द्वारा किया जाता है, जो अपने विचारों की अन्य लोगों के साथ साझेदारी करना चाहते हैं।

6. सामाजिक नेटवर्किंग

लोग अपने मित्रों और परिचितों के संपर्क में बने रहने के लिए **facebook.com** और **orkut.com** जैसे ऑनलाइन सोशल नेटवर्क्स का प्रयोग करते हैं।



7. ई-गवर्नेंस

ई-गवर्नेंस का अर्थ है, वेब साइट्स के माध्यम से सरकारी क्रियाकलापों की जानकारी आम लोगों को देना और सरकार से संबंधित उनके कामों को तेज़ी से निपटाने की सुविधा प्रदान करना।



ई-मेल

इलेक्ट्रॉनिक मेल को संक्षेप में ई-मेल कहा जाता है। यह व्यक्तियों/संस्थाओं के बीच संदेशों के आदान-प्रदान करने के विभिन्न आधुनिक संचार माध्यमों में से एक है। इंटरनेट के प्रसार के साथ-साथ ई-मेल ने भी सार्वभौमिक लोकप्रियता हासिल की है। ई-मेल के माध्यम से भेजे जाने वाले संदेश कुछ ही सेकेंड में विश्व के किसी भी कोने में स्थित सर्वर तक पहुंच जाता है, जिसे सर्वर द्वारा प्राप्तकर्ता के खाते में भेज दिया जाता है।

ई-मेल में प्रयोक्ताओं द्वारा एक मानक प्रोटोकॉल का प्रयोग किया जाता है, जिसके माध्यम से संदेशों को दूसरे प्रयोक्ता तक पहुंचाया जाता है। इस प्रोटोकॉल को सरल संदेश ट्रांसफर प्रोटोकॉल (SMTP) कहा जाता है। पोस्ट ऑफिस प्रोटोकॉल (POP), इंटरनेट मैसेज एक्सेस प्रोटोकॉल (IMAP) इत्यादि कुछ ऐसे प्रोटोकॉल हैं, जो संदेश को समय पर प्राप्त करने और उसे स्टोर करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

ई-मेल की सुविधा के प्रारंभ के बारे में कुछ अनिश्चितता है, परंतु इसके आधुनिक संस्करण का जनक अमरीकी प्रौद्योगिकीविद् टॉमलिंगसन को माना जाता है। टॉमलिंगसन ने इस यूटिलिटी की संकल्पना, विभिन्न कंप्यूटर सिस्टम पर काम करने वाले प्रयोक्ताओं के बीच सरलता से संदेशों का आदान-प्रदान करने के उद्देश्य से, की थी। ई-मेल को संचार के क्षेत्र में 20^{वीं} सदी के सबसे महत्वपूर्ण आविष्कारों में गिना जाता है।

प्रमुख वेबमेल सेवाएँ

हॉटमेल

यह मुफ्त ई-मेल सेवा उपलब्ध कराने वाली पहली वेबमेल प्रणाली है, जो विश्व की लगभग 30 उन्नत भाषाओं में ई-मेल की सुविधा उपलब्ध कराती है। 04 जुलाई, 1996 को MSN (Microsoft) द्वारा hotmail वेब प्रणाली की शुरुआत की गई थी। hotmail पर 250 MB की भंडारण क्षमता, Spam, मुफ्त वायरस स्कैनिंग, स्पेल चेक आदि की सुविधा भी उपलब्ध है।

रेडिफ मेल

rediff.com द्वारा उपलब्ध कराई गई इस वेबमेल प्रणाली में प्रयोक्ताओं को असीमित भंडारण की सुविधा प्राप्त है। rediffmail पर कई भारतीय भाषाओं के माध्यम से भी ई-मेल भेजने और प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। इस वेब प्रणाली का प्रयोग Symbian, Java, Android और Windows युक्त मोबाइल से भी किया जा सकता है।

याहू मेल

‘याहू मेल’ की शुरुआत वर्ष 1997 में एक अमरीकी कंपनी Yahoo द्वारा की गई थी। याहू मेल मुफ्त ई-मेल सेवा प्रदान करने वाली विश्व की तीसरी बड़ी वेबमेल सेवा है। वर्ष 2005 में ड्रैग एंड ड्रॉप, उन्नत खोज, की-बोर्ड शार्टकट, ई-मेल ऐड्रेस को स्वतः पूर्ण करने वाले Interface को याहू मेल में शामिल किया गया। इसके नवीनतम संस्करण में कार्य संपादन, उन्नत खोज प्रणाली एवं Facebook Integration आदि Features सम्मिलित हैं।

जीमेल

जीमेल एक निःशुल्क वेबमेल प्रणाली है, जिसका विकास Google कंपनी के कर्मचारियों के आंतरिक प्रयोग के लिए किया गया था, परंतु व्यापक सफलता के बाद 01 अप्रैल, 2004 से इस सेवा को आम प्रयोग के लिए भी उपलब्ध करा दिया गया। Search और Internet forum इस वेबमेल सेवा के प्रमुख आकर्षण हैं। यह हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के मामले में यूनिकोड का समर्थन प्राप्त ई-मेल सेवा प्रणाली है, जिसमें हिंदी में मेल लिखने के लिए अंतर्निर्मित (In-built) विजुअल कुंजीपटल उपलब्ध है। उदाहरणस्वरूप इसमें ई-मेल खाता खोलने की प्रक्रिया आगे दी गई है-

1. इंटरनेट ब्राउजर (Internet Explorer, Mozilla, Firefox, Google Chrome अथवा अन्य) के माध्यम से www.accounts.google.com बेवसाइट को Open करें।
2. उक्त बेवसाइट का Homepage खुलेगा, इसमें Create New Account विकल्प को चुनें। अब नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स आएगा, इसमें अनुदेशों का पालन करते हुए अपना विवरण प्रविष्ट करें।

3. अब **Submit** बटन पर क्लिक करें। आपका विवरण स्वीकृत होते ही ई-मेल खाता खुल जाएगा। अब www.google.com साइट पर जाकर अपने खाते में **Sign in** करें।

NIC ई-मेल

भारत सरकार द्वारा मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों के बीच सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान के लिए <https://mail.gov.in> पोर्टल बनाया गया है, जिसका सर्वर पूरी तरह भारत सरकार के नियंत्रण में कार्य करता है। इसके माध्यम से सभी सरकारी कार्यालय मुफ्त ई-मेल सेवा का प्रयोग कर सकते हैं। यह पोर्टल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) की देखरेख में है, जहाँ से उपभोक्ता कार्यालयों के कर्मिकों के लिए ई-मेल खाता सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। **nicemail** खाते को **Operate** करने के लिए आगे दी गई प्रक्रिया को अपनाएँ।

1. इंटरनेट ब्राउजर से <https://mail.gov.in> (**nicemail login page**) पोर्टल को **Open** करें। पोर्टल का **Homepage** नीचे दिए गए स्वरूप में खुलेगा। इसमें ई-मेल **ID** और **Password** प्रविष्ट करें, फिर **Sign in** बटन पर क्लिक करें।

nicemail VER. 7.0

EMAIL SERVICES FROM NATIONAL INFORMATICS CENTRE

सत्यमेव जयते

Enter your Nicemail ID and password to log in

Username:

Password:

Download Forms | Contact Us | Forgot Password
Install Security Certificate | EMAIL APPLICATIONS **NEW**

Important
If you have received a mail asking for username and password please do not respond to it.
Never share your password and do not respond to any mail which asks you for your Login-ID or Password. NIC does not request for such information by email.

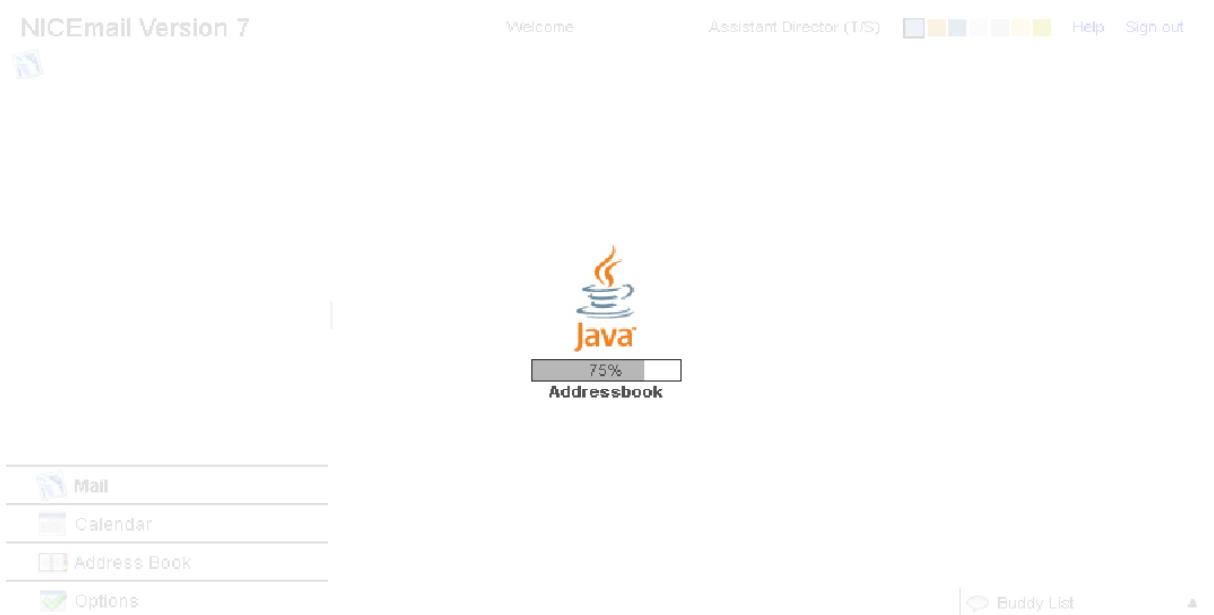
SAFE Email | NICEMAIL Policies | Nicemail FAQ | QuickSMS

National Knowledge Network
Connecting Knowledge Institutions

सत्यमेव जयते

For Intranet access :: INTRANIC | NICEHRAdm | NIC INOC | NIC OTC For Internet Access :: S/MIME FAQ **NEW**

2. अब **Signing in...** का नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स आएगा, NICEmail की **Opening** प्रक्रिया पूरी होने तक प्रतीक्षा करें।



3. अब आपका **Account** नीचे दिए गए डॉयलॉग बॉक्स के अनुसार दिखाई देगा, जिसे किसी अन्य वेबमेल सेवा की तरह ही सरलतापूर्वक संचालित कर सकते हैं।

